078 सूरह नबा. का मुख्तसर लफ़्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF फाइल कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» कायनात की गवाही, कयामत का ऐलान और मुत्तकियों का बदला.

• **कायनात का आंखों देखा तजुर्बा और कयामत.-** इस मुबारक सूरह की पहली पांच आयतों मे कयामत का इन्कार करने वालों को डांट पिलाई गई हे जो वो कयामत का जिक्र सुनकर बहुत ही जाहिलों वाले अंदाज मे किया करते थे. उन्से कहा गया की बहुत जल्दी तुम्हें आखिरत के इन्कार करने का नतीजा मालूम हो जायेंगा. फिर अल्लाह तआला की खुदाई, रेहमत, हिकमत और कुदरत की इन निशानियों पर गौरो फिकर करने की दावत दी गई हे, जो ज़मीन से लेकर आसमान तक फैली हुई हे, ये सब जुबान ए हाल से गवाही दे रही हे की इन्सान को दुनिया मे आज़ाद नही छोडा गया हे, बल्कि उसे अल्लाह की अदालत मे पेश होना हे, जहा उस्से पूछताछ होगी. कयामत का जिकर करते हुवे फरमाया गया हे की जब वोह चाहेगा एसा सूर फूंकेगा के सब कबरों से निकलकर उस्की तरफ चल पडेंगे. आसमान, ज़मीन, दरिया और पहाड सब के सब बिखर कर रह जायेंगा. उस दिन जहन्नम सारे नाफरमानों का ठिकाना बनेगी. वहा पीने को खोलता हुआ पानी जख्मों का धोवन मिलेगा. ये उन्लोगों की सज़ा होगी जो दुनिया मे मरने के बाद की ज़िन्दगी पर ईमान नही रखते थे.

» अल्लाह से डरने वालों को आखिरत के इनाम.

• परहेज़गार लोग यकिन्न कामयाब होंगे.- उन्हें जन्नत मे हर तरह की नेमतें दी जायेंगी और अल्लाह तआला की तरफ से उन्के आमाल का पूरा पूरा सवाब मिलेगा. कयामत के रोज किसी को कायनात के बादशाह के सामने बात करने की हिम्मत ना होगी. अल्लाह तआला की तरफ से जिस्से इजाज़त मिलेगी वो ही बात कर सकेगा. वो दिन जरूर आकर रहेगा, जो शख्स उस दिन की कामयाबी चाहता हे वो आज कुछ करले. हम्ने तुम्हें उस दिन के बारे मे खबरदार कर दिया हे. जब हर शख्स अपने करतूत देख लेगा, तो काफिर अफसोस करेगा की काश मे मर कर मिट्टी हो जाता! और हिसाब देने के लिये मुज़े पेश ना होना पडता.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.